



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 9.7.22	9.7.22	2	1-4

उपलब्धि • हरियाणा का नाम रोशन करने वाली छात्रा को वीसी ने किया सम्मानित निशा बनीं पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने नगर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से



निशा को मिलने लगे हैं नौकरी के ऑफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरान्त निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हे काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उडान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा

ड्रोन पर करेगी पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल शिंगड़ा, मीडिया एडवकाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है।

नरेंद्र को हरियाणा का प्रथम खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र मिला

सिटी रिपोर्टर • खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग हरियाणा द्वारा एडवेंचर स्पोर्ट्स पॉलिसे के अंतर्गत मींगनी खेड़ा निवासी नरेंद्र कुमार को एडवेंचर शास्त्री की गतिविधि में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल किए जाने पर हरियाणा प्रदेश का प्रथम खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र जारी किया गया।

प्रमाण पत्र नरेंद्र कुमार द्वारा माउंट ल्होत्से चोटी 16 मई 2022 को सबमिट करने पर प्रदान किया गया। यह प्रमाण पत्र हिंसार मंडल हिंसार के उपनिदेशक सत्यदेव मलिक एवं जिला खेल अधिकारी कुमारी संतोष धीमान के कर कमलों द्वारा उनके कार्यालय में प्रदान किया गया इस अवसर पर ग्रेडेशन कमेटी मेंबर दलबीर सिंह, हरमेश चंद्र योगा, रेखा, निखिल, जगबीर, रचना, रमेश सिंह, सुभाष चंद्र मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9.7.22	1	2-5

निशा बनीं हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

जागरण संवाददाता हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनीं हैं। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है, क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण । • पीआरओ

कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी

की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डा. विजया रानी ने बताया कि निशा एमटेक की छात्रा है। वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के बाद निशा को काफी फायदे हुए हैं। मौके पर ओएसडी डा. अतुल दोगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	१.7.22	3	1-3

एचएयू की छात्रा निशा बनीं प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनीं हैं। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने निशा की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन

वीसी बोले- कृषि में ड्रोन का महत्व, फसलों पर पोषक तत्वों कीटनाशकों के साथ बीजों के छिड़काव में ड्रोन का हो रहा प्रयोग



ड्रोन पायलट निशा सोलंकी।

से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को आगोटैक, एग्री-

उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं। फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एमटैक की छात्रा है। वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। श्युरे



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब मेसरी	9.7.22	7	1-3

छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

■ अब करना चाहती है ड्रोन पर पीएच.डी. रिसर्च

हिसार, 8 जुलाई (ब्यूरो): छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। फिलहाल वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग में एम.टेक. की छात्रा हैं।

उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएच.डी. की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इसके लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण।
उड़ान में सक्षम हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि को सराहते हुए कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोंगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उडान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं। इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अतुल डोंगड़ा, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उजाला समाचार	9.7.22	5	1-3

निशा सोलंकी बनी प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

हिसार, 8 जुलाई (विरोध वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नगर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न प्रकार



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीय।

कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है, क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव

डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एपी-उडान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी

रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अहुल वींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनक ट्रिब्यून	9.7.22	2	8

प्रदेश की पहली
प्रमाणित ड्रोन पायलट
बनी निशा सोलंकी

हिसार, 8 जुलाई (बिस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की एमटेक की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर ऑप्रेटर का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने निशा को बधाई दी और कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिंसार	09.07.2022	-----	-----

चौ.च.सिं. हकृवि की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर



इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस

उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक

तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता।

उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	08.07.2022	-----	-----

एचएयू की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण।

पाठकपक्ष न्यून
हिसार, 8 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम हैं।

रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक

मिलने लगे हैं नौकरी के ऑफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोंगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरान्त निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड्डन से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रिया 21225	08.07.2022	-----	-----

ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व : वीसी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
की छात्रा निशा सोलंकी बनी
हरियाणा की पहली प्रमाणित
ड्रोन पायलट

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई दी।

कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़ने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों



से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़ने किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है।

मिलने लगे है नौकरी के ऑफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे

हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हे काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उडान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टेक. की छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दौंगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त चरित्राणा	08.07.2022	-----	-----

चौ.च.सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

समस्त हरियाणा न्यून
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने कृषि विमानन महानिदेशालय से माय्पा प्रोग्राम ऑपरटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी.आर. काम्बोज ने निशा को इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के सही वॉर्क के डिस्टेंस के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न प्रकार के कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इलाज से रसायनों और



कीटनाशकों का संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से कीटनाशकों व बीमारों का समय रहते पता लगाया जा सकता है।

मिलने लगे हैं नौकरी के ऑफर
कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के

अभिज्ञाना डॉ. बलदेव शेरमा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट को करने के उपरान्त निशा को कार्टी चार्टेड हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हे काफी कंपनियों जैसे आर्गोटेक, एपी-ड्रोन से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

ड्रोन पर करना चाहती हैं पीएचडी रिसर्च
फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की

अभ्यज्ञा डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टेक. की छात्रा है। वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती हैं। इस रिसर्च के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसटी डॉ. अजय कुमार, सीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व अभियांत्रिकी विभाग की



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नमो चौर	08.07.2022	-----	-----

प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी निशा सोलंकी



हिसार/ 08 जुलाई/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई देते हुए कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन

पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उडान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं। फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एमटैक की छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य आदि उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	08.07.2022	-----	-----

| हिंसार: एचएयू की छात्र निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

08 Jul 2022 17:43:58



एन. टी.क की छात्रा है निशा सोलंकी जो एचएयू की पहली ड्रोन पायलट बनी

हिंसार, 08 जुलाई (हि.स.)। हिंसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं पौधोपचार विभाग के कर्मचारी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने लागन चिन्मोल महाविद्यालय से प्रमाणित ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक परीक्षण पूरा किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीरगार कर्मजोत ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई व शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने शुक्रवार को कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पौधक रत्यों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का प्रदूषण से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुरक्षा से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीजारी का खतरा रहने वाला बचाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिक एवं पौधोपचार विभाग के अधिकाता डॉ. बलदेव शेरमा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट होने को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियां जैसे आर्बोटेक, एबी-ड्रोनल से सौकी के ऑफर मिल रहे हैं। कर्मचारी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया राणी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टेक की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह अभियंता में पौधोपचार की विशेषज्ञता पर अपना ध्यान देती है। इस विशेषज्ञता को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में समर्थ है। इस अवसर पर ओपन डी डॉ. अतुल ट्रीगल, जैविक प्रकाशक डॉ. मंटीप आंच सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पब्लिस	08.07.2022	-----	-----

एचएयू की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

पिछली राधिका म्यूज, हिंसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियंताओं एवं कौशल विकास विभाग के सहित चारों ओर से छात्रा निशा सोलंकी को पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बना है। उन्होंने जल विमानन प्रमाणिकरण से अपना ड्रोन ऑपरेटर का प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.आर. बामनोज ने

किया की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। इसी कारण कि फसलों पर फेन्स लगाने, बीटाकार्बोनेट व अन्य रसायनों के साथ फेजों के विप्लव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इसी काम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न प्रकार के रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा

सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और बीटाकार्बोनेट का संपर्क से सीधा संपर्क नहीं होता। इसी तरह ड्रोन से 5-10 मिटर में एक एकटू भूमि में विप्लवक किया जा सकता है। इसी कारण से फसल को सुरक्षित से निपटने में भी यह छात्रा के निम्नो बीटा प्रयोग व बीटाई का समय पूरी फल लक्ष्य जा सकता है और उनका उपयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर ज्योत्सना डॉ. अरुण शींगर, सीटिस



कुलपति डॉ. बी.आर. बामनोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारियों।
एचएयू का डॉ. सतीश अर्जुन शर्मा अन्य अधिकारियों उपस्थित थे।

मिलने लगे हैं मौकरी के आँकर
कृषि अभियंता एवं प्रौद्योगिकी सहायक के अधिकार में, बसंत कुमार ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोरी को करने के जरूरत किसान को काफी बचत करे है। उन्होंने बताया अभी काफी कामों को जैसे जलरोधी, एबी उड़ान में मौकरी के आँकर मिल रहे है।
ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च
उन्होंने बताया कि वह एक प्रौद्योगिकी विभाग की अग्रणी डॉ. निशा सोलंकी ने बताया कि ड्रोन सोलंकी कोरी में एबी उड़ान की लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि वह अजित ने किसानों को ड्रोन ड्रोन पर करना बताने है। इस ड्रोन को करने के लिए निशा कोरी पायलट का डिपेंड करी एबी उड़ान करती है। वह एक ड्रोन उड़ान में लक्ष्य है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	08.07.2022	-----	-----

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकार : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिज़ाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिज़ाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्क्युलो-स्केलेटल विकारों से

बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है व्यवहार्य सहायता कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएँ बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्क्युलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का



प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिज़ाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनको गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी।

श्रमिकों को सामान्य पहुंच में काम करने में होती है सुविधा डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएँ फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4

महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद को कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल डींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	9.7.22	2	8

**हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए
11 तक कर सकेंगे आवेदन**

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट, जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। संजद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैनिक जागरण(कैथल)

दिनांक
9.7.2022

पृष्ठ संख्या
--

कॉलम
--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी

पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई

कैथल, 8 जुलाई (महोपाल): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 6 वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला 10वीं के बाद

एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि 4 वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बी.एफ.एससी. (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बी.एससी. (आनर्स) कम्प्यूनिटी साइंस व बी.एससी. (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा।

बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एल.ई.ई.टी.) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एट्रेंस टेस्ट (मैत्र) 2022 और

एल.ई.ई.टी. 2022 की मॅरिट के आधार पर होगा।



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएच.डी. में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस के अलावा एन.आर.आई. व इंडस्ट्री स्पॉन्सर्स उम्मीदवारों के लिए भी पी.एच.डी. में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएच.डी. में दाखिला एट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा।

उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है।

ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पी.डब्ल्यू.डी. (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होगी।

इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in और admissions.hau.ac.in पर उपलब्ध प्रोस्पेक्टस में मौजूद होंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	9.7.22	18	7-8

चौधरी चरण सिंह विवि में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

■ आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई
2022 तक जारी रहेगी

हरिभूमि न्यूज फतेहाबाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद के मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. जोगेन्द्र तोमर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में

छह वर्षीय बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी आनर्स कम्युनिटी साइंस व बीएससी आनर्स एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग व बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रेवाड़ी(बावल)	10.7.2022	--	--

शिक्षा

एचएयू हिसार में सत्र 2022 - 2023 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 11 जुलाई

संवाद न्यूज एजेंसी

रेवाड़ी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार यानी एचएयू में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंतिम तिथि 11 जुलाई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एंटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रिबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिला कक्षा 12वीं के बाद प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। बी.

स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में भी होंगे दाखिले

इस विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिला सामान्य प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनॉमी, इंटीमोलॉजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमेटोलॉजी, जेनेटिक्स एंड प्लॉट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सोइल साइंस एवं टैक्नोलॉजी, सायल साइंस, वैजेटेबल साइंस, एग्री. मेटेयोरोलॉजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल हैं। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायो केमिस्ट्री, बायोलॉजी (केवल एमएससी), मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफोमेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, इनवायनमेंट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, सोसियोलॉजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मेथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रिशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टैक्सटाइल एंड एप्रेजल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। इस संबंध में कृषि महाविद्यालय बावल के प्रवक्ता ने बताया कि कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉलर एंड जाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूएबल एंड बायो एनर्जी, फूड साइंस एंड टैक्नोलॉजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं। कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्पॉन्सर्ड उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रूपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी(दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रूपए होगी। इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोस्पेक्टस में मौजूद होंगी।

टेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस की मेरिट के आधार पर होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर (महेन्द्रगढ़)	10.7.2022	--	--



महेन्द्रगढ़ भास्कर 10-07-2022

एचएयू में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, आवेदन 11 तक

महेन्द्रगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 6 वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एंटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम है। जिसमें बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (ऑनर्स) कम्प्युनिटी साइंस व बीएससी (ऑनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा।

बीटेक (एग्रीकल्चर इंजी.) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजी. एलईईटी) में दाखिलता हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वइंट एंट्रेंस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मोरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिलता कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, इंटेमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर,

नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एवं टैक्नोलोजी, सायल साइंस, वेजीटेबल साइंस, एग्री. मेटेयोरोलोजी, फ्लोरेस्ट्री विषय शामिल हैं। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायो केमिस्ट्री, बाटनी (केवल एमएससी), मोलिक्यूलर बायोलोजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफोमेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलोजी, प्लांट फिजियोलॉजी, एनवायरमेंट साइंस, माइक्रोबायोलोजी, जूलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मैथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिमोस मैनेजमेंट, टेक्सटाइल एंड एप्रैजल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्ट्रुक्चर, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्प्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्युएबल एंड बायो एनर्जी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं। कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। एनआरआई व इंडस्ट्री स्पॉसर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिलता एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज, दैनिक सवेरा (पंचकुला)	9.7.2022	--	--

महानिदेशक, सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा

प्रेस कतरनें

दिनांक 9-7-22

9-7-22
दैनिक सवेरा

आज समाज

चौ चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

■ पाठ्यक्रमों में आवेदन
करने की अंतिम तिथि
11 जुलाई

आज समाज नेटवर्क

पंचकुला। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स)

एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

● पाठ्यक्रमों में आवेदन करने
की अंतिम तिथि 11 जुलाई

पंचकुला, 8 जुलाई (संतोष): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर

एपटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर (बावल)	9.7.2022	--	--

कृषि विवि हिसार व संबद्ध कॉलेजों में यूजी और पीजी में दाखिले के लिए आवेदन जारी

11 जुलाई तक कर सकते हैं अप्लाई, पीएचडी में भी दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा

भास्कर न्यूज़ | रेवाड़ी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व इससे संबद्ध कॉलेजों में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला 10वीं के बाद एग्रीकल्चर एंटीरिक्ट टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएसएससी(वैचलर फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्प्यूटि साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीविजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं

के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिले हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिले काउंसिलिंग एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनॉमी, इंटीमोलॉजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, मेमोटोलॉजी,

बाहरी राज्यों के आवेदक भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए कर सकेंगे आवेदन

हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्पोर्ट्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिले एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय को वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होगी। इसके अलावा उपलब्ध सीटों को संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिले प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in और admissions.hau.ac.in पर उपलब्ध प्रोस्पेक्टस में मौजूद होगी।

जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सोड साइंस एवं टेक्नोलॉजी, साबल साइंस, वेंजीटेबल साइंस, एग्री. बायोटेक्नोलॉजी, फ्लोरिड विषय शामिल हैं।

कैमिस्ट्री, बोटनी (केवल एमएससी), मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड बायोटैक्नोलॉजी, बायोइंफोमेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, इनवायनमेंट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, सोसयोलॉजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स,

मेथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रिशन, फैमिली रिसेस मैनेजमेंट, टैक्सटाइल एंड प्रोसेसिंग डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलपमेंट एंड स्टडीज, एक्सटेंशन एंड कम्प्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि

बावल में बीएससी 4 और 6 वर्षीय एग्रीकल्चर कोर्स शुरू

जिले के बावल कृषि कॉलेज में भी 10वीं के बाद 6 वर्षीय बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर और 12वीं के बाद 4 वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर के अलावा एमएससी व पीएचडी के लिए विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इनमें भी 11 जुलाई अंतिम तिथि है। बावल में 10वीं के बाद चल रहे 6 वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स के पाठ्यक्रम में 55 सीटें हैं और 12वीं 4 वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर में भी 55 सीटें हैं। 6 विषयों में पीएचडी और 6 ही में एमएससी कर सकते हैं।

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, टिन्यूएबल एंड बायो एनर्जी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर(यमुनानगर)	9.7.2022	--	--

चौधरी चरण सिंह विवि में दाखिले की प्रक्रिया शुरू, 11 तक कर सकेंगे आवेदन

यमुनानगर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 11 जुलाई तक जारी रहेगी। विवि के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट, जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम, जिसमें बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर बीएफएससी बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस, बीएससी आनर्स कम्युनिटी साइंस व बीएससी ऑनर्स एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं पास होगा जरूरी है।

इसके लिए एंट्रेस टेस्ट होगा। बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग व बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसाइटी द्वारा जॉइंट एंट्रेस टेस्ट मैन 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा। इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में दाखिले होंगे। विवि के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (फरीदाबाद)	9.7.2022	--	--

विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ: प्रो. बीआर काम्बोज

फरीदाबाद। पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई संबंधित साइट पर ले सकते हैं अधिक जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 22 तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी



इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, इंटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलोजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलोजी, सायल साइंस, वेजीटेबल साइंस, एग्री. मेटेयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल हैं। कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर

(आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बीटेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व

सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्पोर्सर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रूपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी(दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रूपए होगी।

बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला (रोहतक)	9.7.2022	--	--

चौधरी चरण सिंह विवि में प्रवेश के लिए आवेदन 11 तक
रोहतक। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन 11 जुलाई तक जारी रहेंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (ऑनर्स) कम्प्यूनिटी साइंस व बीएससी (ऑनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर दाखिला होगा। बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसाइटी के ज्वाइंट एंट्रेंस टेस्ट (मेन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रॉस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन फीस 1500 रुपये, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 375 रुपये फीस है। इसके अलावा सीटों की संख्या, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि जानकारी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला (महेन्द्रगढ़)	10.7.2022	--	--

Youth & Women

युवा • महिला • संस्कृति • समाज

my city

महेन्द्रगढ़-31

एचएयू : प्रवेश के लिए कल तक करें आवेदन

छह वर्षीय बीएससी ऑनर्स के लिए 10वीं पास कर सकेंगे आवेदन, मेरिट के आधार पर होगा प्रवेश

संवाद न्यून राजेशी

महेन्द्रगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

कृषि विज्ञान केंद्र महेन्द्रगढ़ के वरिष्ठ संप्रेषक डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में शैक्षणिक दृष्टियों के हिसाब से सकेते हैं। एग्रीकल्चर एंटीनट्रुट ट्रेड के माध्यम से जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बीएसएमसी (बैचलर ऑफ फिसियल साइंस), बीएससी (ऑनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (ऑनर्स) एग्री विज्ञान में एंटीनट्रुट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस ट्रेड के आधार पर होगा। बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग



कृषि विज्ञान केंद्र महेन्द्रगढ़। संवाद



संप्रेषक डॉ. रमेश कुमार।

गृह विज्ञान में शामिल रहेंगे यह कोर्स

गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं फूडोयन, बैचिंगिंग रिसेल्व मैनेजमेंट, टेक्सटाइल एंड एप्लाइड डिजाइनिंग, स्पूनन डेवलपमेंट एंड पैकेजिंग स्ट्रैटेजी, प्रसम्टेशन एजुकेशन एंड कम्प्युटिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अधिजीविकी एवं प्रौद्योगिकी सहायकता में फार्म मशीनरी एवं गाइड इंजीनियरिंग, सॉलर एंड वाटरलूजिंग (एग्रीकल्चर विभाग), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्सुआलरट वॉश एनबी, फूडसाइंस एंड टेक्नोलॉजी (एग्रीकल्चर विभाग) शामिल हैं।

एलएंडटी में दाखिला हरियाणा राज्य ट्रेड (मेन) 2022 और एलएंडटी 2022 काउंसिलिंग सौसायटी द्वारा एंटीनट्रुट एंट्रेस की मेरिट के आधार पर होगा।

सामान्य श्रेणी के लिए 1500 रुपये रहेगी फीस

उन्होंने बताया कि हरियाणा प्रदेश में बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अंतर्गत सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एमआरआईएम द्वारा भी उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अंतर्गत सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिले एंटीनट्रुट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार प्रदेश भर सहायी निवासों होना अनिवार्य है। अंतर्गत आवेदन फार्म एवं प्रोसेडरस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन शुल्क 1500 रुपये जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आंधिक रूप से कमजोर वर्ग, पीएचएचटी (डिब्लिंग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपये होगा। इसके अलावा उम्मीदवार सीटों की संख्या, महाधायुर्ण विधियां, व्युत्पन्न प्रौद्योगिकी सेवका, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ले सकते हैं।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी कार्यक्रम में होने दाखिले डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिले काउंसिलिंग एंटीनट्रुट के आधार पर होगा। कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोवोगी, इंटीग्रेटेड, प्रसम्टेशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, मैमोटेनलॉजी, जेनेटिकल्चर एंड फूड साइंस, एंटीनट्रुट, एंड एग्रीकल्चरल बायो टेक्नोलॉजी, एंटीनट्रुट फिसियल साइंस, इनकाउंसिलिंग साइंस, महाधायुर्ण, जुलोजी, सोसकॉलॉजी, स्टेटिक्स, फिसियल, मेमेनटिक्स विभाग होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

एक्शन इंडिया (पानीपत)

10.7.2022

--

--

कृषि विवि में स्नातक व स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

बापौली/टीम एक्शन इंडिया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एण्ट्रीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएसएससी (बैचलर ऑफ़ फ़िशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलर्नशिप) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सेसरायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट (मैज 2022 और एलर्नशिप 2022) की मेरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में हमें दाखिले: उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी



दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एगोनोमी, इंटोमोलॉजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमेटोलॉजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलॉजी, सग्रल साइंस, केजीटैबल साइंस, एग्री. मेटिओरोलॉजी, फॉरेस्ट्री विषय शामिल हैं। मौलिक एवं मानविकी

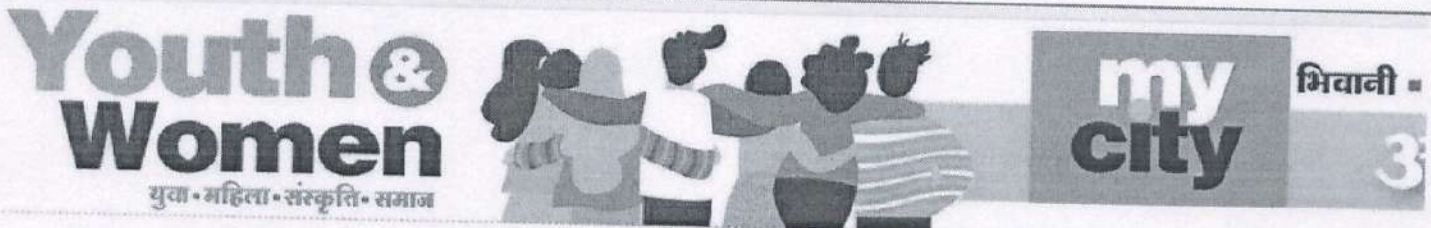
महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बॉयो केमिस्ट्री, बोटनी (केवल एमएससी), मॉलिक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, बायोइन्फोर्मेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटैक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, इनवाक्नमेंट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, सोसयोलॉजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मेथेमेटिक्स विषय होंगे। यह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रिशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टेक्सटाइल एंड फ़ैब्रिल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं।

पावर इंजीनियरिंग, सॉलर एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूएबल एंड बॉयो एनर्जी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रोहतक	10.7.2022	--	--



कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा

संवाद न्यूज एजेंसी

भिवानी। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दरवाजे के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट, जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर,

बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिसरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर हो

गा। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलआईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य कार्डिनलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस



चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय। संवाद

ऑनलाइन फार्म वेबसाइट पर उपलब्ध

ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोसेडरस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपये, जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपये होगी। इसके अलावा उपलब्ध स्रोतों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियाँ, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारीयें विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in/000Uadmissions.hau.ac.in पर उपलब्ध प्रॉस्पेक्टस में मौजूद होंगी।

टेस्ट (मैन) 2022 और एलआईटी 2022 को मॉरिट के आधार पर होगा। इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में दाखिले : विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने

बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनॉमी, इंटीग्रेटिव एग्रीकल्चर, एक्सटेंशन एग्रीकल्चर, नेमोटोलॉजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलॉजी, सावल साइंस, वेंजीटेबिल साइंस, एग्री. मेटेयोरोलॉजी,

अब 14 तक कर सकेंगे आवेदन

भिवानी। सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) की पूरक परीक्षा जुलाई-2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि को 14 जुलाई तक बढ़ा दिया है। मगर, इसके लिए एक हजार विरलभ शूल्क लगेगा। पहले एक हजार रुपये विरलभ शूल्क सहित सात जुलाई तक आवेदन का मौका था, जिसे अब तक 14 तक बढ़ाया गया है। हरियाणा विश्वविद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. जगदीश सिंह व बोर्ड सचिव श्रीकृष्ण कुमार, इ.प्र.सं. ने बताया कि सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) परीक्षा जुलाई-2022 के लिए परीक्षाधी 1000/- रुपये विरलभ शूल्क के साथ अंतिम तिथि 7 जुलाई, 2022 निर्धारित की गई थी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों के भविष्य को देखते हुए सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) परीक्षा जुलाई-2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ाई गई है। परीक्षार्थी अपना आवेदन फार्म बोर्ड की वेबसाइट www.bseh.org.in पर दिए गए लिंक पर भरना सुनिश्चित करें। नवंबर

बाहरी राज्यों के विद्यार्थी भी ले सकेंगे पीएचडी में दाखिला

कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त स्रोतों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्टाफर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उम्मीदवार पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है।

फॉरेस्ट्री विषय शामिल है।

मॉलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में फेसिलिटी, बायो केमिस्ट्री, बाटनी (केवल एफएससी), मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, बायोइन्फोमेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायो टेक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, इनवायनमेंट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, सोमयोलॉजी, स्टैटिक्स, फिजिक्स, मेथेडिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स

एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टेक्सटाइल एंड एग्रेजल डिजाइनिंग, एग्रीकल्चरल एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एग्रीकल्चर एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सावल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग शामिल हैं।

